अनीसाबाद-गुरुद्वारा मोड़ एलिवेटेड 6 लेन का होगा

पुराने एनएच-30 के दोनों ओर तीन-तीन लेन का होगा कॉरिडोर, वाहनों के अत्यधिक दबाव को देखते हुए लिया गया निर्णय

बदलता पटना

- पहले चार लेन के आधार पर ही डीपीआर तैयार की गई थी
- 13 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर का होना है निर्माण

पटना, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि। न्यू बाइपास पर अनीसाबाद से गुरुद्वारा मोड़ तक अब छह लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा। इसके लिए एनएचएआई के पटना स्थित क्षेत्रीय

1

कार्यालय ने डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम शुरू कर दिया है।

पुराने एनएच-30 के दोनों तरफ सर्विस रोड के ऊपर तीन-तीन लेन के एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए डिजाइन के साथ ही 13 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर में प्रमुख जगहों पर चढ़ने और उतरने के लिए रैंप का निर्माण किया जाएगा। एनएचएआई से पहले पुराना एनएच-30 के एक तरफ फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए डीपीआर तैयार करायी गयी थी। अध्ययन में पता चला कि फोरलेन बनने के बाद भी यातायात व्यवस्था सामान्य नहीं हो सकेगी। इसी कारण छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया गया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की मंजूरी पहले ही मिल गई है। साल के अंत तक निर्माण के लिए निविदा जारी होने की संभावना है।

न्यू बाइपास पर रोजाना 1.75 लाख गाड़ियों का दबाव

न्यू बाइपास पर प्रतिदिन 1.5 से 1.75 लाख पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) गाड़ियों का दबाव है। यही कारण है कि लगभग 13 किलोमीटर दूरी तय करने में अभी गाड़ियों को डेढ़ से दो घंटे का समय लग जाता है। इस एलिवेटेड के बनने से पटना शहर की यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगी। हालांकि न्यू बायपास स्थित एनएच पर मेट्रो का निर्माण हो रहा है। इस कारण 90 फीट, खेमनीचक और जीरो माइल के समीप एलिवेटेड को ऊंचा बनाना होगा।

"अनीसाबाद से गुरुद्वारा मोड़ के बीच छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण होगा। मुख्य सड़क के दोनों तरफ सर्विस लेन के ऊपर तीन-तीन लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। इस वर्ष के अंत तक निविदा जारी कर दी जाएगी।

-वाईबी सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी, एनएचएआई, पटना

एम्स जाने वाले मरीजों को होगी सुविधा, समय बचेगा

छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। वहीं यह एलिवेटेड कॉरिडोर बेऊर मोड़ से अनीसाबाद होते हुए एम्स गोलंबर तक बनने वाले फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर से भी जुड़ेगा। इसे एम्स आने-जाने वाले मरीजों को भी सुविधा होगी। बेगूसराय-भागलपुर की तरफ से आने वाले लोगों को एम्स गोलंबर तक आने में छह लेन और फोरलेन सड़क मिलेगी। वर्तमान में दीदारगंज से बख्तियारपुर तक ग्रीनफील्ड फोरलेन सड़क से आवागमन चालू है। जबकि बख्तियारपुर से मोकामा के बीच ग्रीनफील्ड फोरलेन अप्रैल में चालू हो जाएगा। इसके बाद लोग आसानी से बिना जाम के आवागमन कर सकेंगे।